Munmun Choudhary
Asst. prof.
Department of Economics,
A.S. College,
Bikramganj.

B.A. Part-I
Paper - II
Macro Economics

Topic - लागत और राजस्व की धारणा (Cost and Revenue Perception)

(2) औसत लागत (Average Cost):-

कुल उत्पादन व्यय में उत्पादन की गई कुल इकाईयों की संख्या से भाग देने से जो भागफल आता है उसे प्रति इकाई लागत या औसत उत्पादन लागत कहते है। यदि केवल औसत लागत कहा जाय तब उसका मतलब प्रति इकाई औसत लागत से होता है।

इस प्रकार,

$$\text{औसत लागत} = \frac{\text{कुल उत्पादन व्यय}}{\text{उत्पादन की मात्रा या इकाईयों}}$$

अथवा,

$$\text{Average cost} = \frac{\text{Total cost}}{\text{Quantity or Units of Produce}}$$

Scanned by TapScanner

उदाहरणार्थ, जब उत्पादन की गई कुल कलमों की संख्या 100 है तथा उत्पादन व्यय 500 रुपये है, अतः

$$\text{औसत लागत} = \frac{500}{100} = 5 \text{ रुपये}$$

अर्थात 5 रुपये प्रति इकाई या प्रति कलम।

(3) सीमान्त लागत (Marginal Cost):

सीमान्त लागत किसी वस्तु की सीमान्त इकाई के उत्पादन लागत होती है। "किसी वस्तु की अतिरिक्त इकाई के उत्पादन से कुल व्यय में जो वृद्धि होती है उसे सीमान्त लागत कहते है।" (Marginal cost is the addition to the cost caused by the production of one additional unit of accommodity.)

मान लिया जाय कि 100 कलमों के उत्पादन में 500 रुपये व्यय होता है। अब यदि एक अतिरिक्त कलम का उत्पादन किया जाता है अर्थात जब '101' कलम का उत्पादन किया जाता है तो कुल उत्पादन व्यय 505 रुपये हो जाता है। इस प्रकार एक अतिरिक्त कलम के उत्पादन से कुल व्यय में (505-500 = 5) 5 रुपये की वृद्धि होती है। अतः कलम की सीमान्त लागत अथवा सीमान्त व्यय 5 रुपये के बराबर होगी।

Scanned by TapScanner

उत्पादन की कुल इकाइयों में से यदि एक कम इकाई का उत्पादन होता या हो उसके कारण कुल लागत मे जो कमी हो उसे ही सीमान्त लागत (Marginal Cost) कहते है। उदाहरण के लिए, यदि कलम का उत्पादन 100 से घटकर 99 कर दिया जाय और कुल उत्पादन लागत 500 रुपये से घटकर 495 रुपये हो तो सीमान्त लागत (500 - 495 = 5) 5 रुपये के बराबर होगी।

औसत लागत तथा सीमान्त लागत मे संबंध
[Relationship between Average cost and Marginal Cost]

उपर्युक्त विवरण के आधार पर औसत लागत एंव सीमान्त लागत मे अंतर स्पष्ट रुप से समझ आती है। निम्नांकित तालिका में कुल लागत, सीमान्त लागत एंव औसत लागत को दिखलाया गया है जिसके आधार पर हम औसत लागत एंव सीमान्त लागत के बीच संबंध को स्पष्ट कर सकते है:-

उत्पादन की इकाई (Units produced)	कुल लागत (Total Cost)	सीमान्त लागत (Marginal Cost)	औसत लागत (Average Cost)
1	50	50	50
2	90	40	45
3	120	30	40
4	140	20	35
5	175	35	35
6	228	53	38
7	294	66	42

Scanned by TapScanner

ऊपर की तालिका से स्पष्ट है कि प्रारम्भ में औसत लागत एवं सीमांत लागत दोनों घटती है लेकिन सीमान्त लागत के कम होने की दर औसत लागत के कम होने की दर से अधिक है। उसी प्रकार पाँचवी (5वी) इकाई के उत्पादन के साथ औसत लागत एवं सीमान्त लागत दोनों बढ़ने लगती है लेकिन सीमांत लागत की वृद्धि की दर औसत लागत की वृद्धि की दर से अधिक है। तालिका से स्पष्ट है कि जबतक औसत लागत गिरती है तबतक सीमान्त लागत उससे कम है तथा जब औसत लागत बढ़ने लगती है तो सीमान्त लागत उससे अधिक हो जाती है। इस प्रकार हम कह सकते है कि औसत लागत में कमी होने साथ सीमान्त लागत भी घटती है तथा औसत लागत में वृद्धि होने से सीमान्त लागत बढ़ती है लेकिन दोनों अवस्थाओं में औसत लागत की तुलना में सीमान्त लागत के गिरने या घटने अथवा बढ़ने की गति अधिक होती है।

Scanned by TapScanner